



लोक सभा सचिवालय  
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध  
संसद भवन, नई दिल्ली  
**LOK SABHA SECRETARIAT**  
Press and Public Relations Wing  
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

सदन में जनप्रतिनिधियों के आचरण से जनता में भी सीधा संदेश जाता है: लोक सभा अध्यक्ष/ **THE CONDUCT OF PEOPLE'S REPRESENTATIVES IN THE HOUSE SENDS A DIRECT MESSAGE TO PEOPLE: LOK SABHA SPEAKER**

...

सभी स्टेक होल्डर्स की सहमति से कानून का निर्माण लोकतंत्र को अधिक स्वस्थ एवं पुष्ट करता है: लोक सभा अध्यक्ष/ **LAW MAKING IN CONSULTATION WITH STAKEHOLDERS MAKES DEMOCRACY HEALTHIER: LOK SABHA SPEAKER**

...

विधायिकाएं बदलती दुनिया के अनुरूप अपने आपको अपडेट करें: लोक सभा अध्यक्ष/ **LEGISLATURES SHOULD UPDATE THEMSELVES TO SUIT CHANGING WORLD: LOK SABHA SPEAKER**

...

लोक सभा अध्यक्ष ने मणिपुर विधान सभा के सदस्यों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्घाटन किया / **LOK SABHA SPEAKER INAUGURATES ORIENTATION PROGRAMME FOR MEMBERS OF MANIPUR LEGISLATIVE ASSEMBLY**

**New Delhi, June 6, 2022:** Inaugurating an orientation programme for Members of the Manipur Legislative Assembly, organized by PRIDE of Lok Sabha Secretariat at Parliament House, Lok Sabha Speaker Shri Om Birla opined that the conduct of the people's representatives in the House is not limited to the House but has an impact at several levels. There is also a direct message in the public. He cautioned that the public feels that their people's representatives are making the best use of the House and therefore discipline and dignity in the House should be an essential part of the behaviour of the people's representatives.

On this occasion, Shri Birla also released a Coffee Table book titled "PRIDE: Congruency, Cohesion & Continuity", brought out by PRIDE of Lok Sabha Secretariat. Shri B. L. Verma, Minister of State in the Ministry of Development of North Eastern Region and Minister of State in the Ministry of Co-operation was also present on this occasion.

He stressed that only when a law is framed with the consent of all stakeholders, democracy becomes healthier and stronger. In this regard, he advised that when a proposal is brought in the House, the people's representatives should communicate it with their constituents at their respective levels and seek opinions from the people of the area on the draft or proposal of that bill.

Shri Birla further suggested that our legislatures should update themselves to suit the changing world. In this regard, he said that information technology can be very effective in connecting the people with the legislature. Stating that under the 'One Nation-One Legislative Platform', i.e. e-Vidhan, legislatures of the entire country are to be brought on a digital platform, he hoped that it will be a portal which will not only technologically develop our parliamentary system but also work to interconnect all the representative bodies of the country.

Shri Birla further said that for North-East India, neither can we compromise on development nor with their wonderful culture. We have to take both development and culture together and move forward on the path of development through culture, he opined.

Referring to the rich heritage of the Manipur Legislative Assembly, he said that in the last 50 years, it has contributed to strengthening and enriching the legislative tradition of the country through its functioning. He said that many people oriented legislations have been passed by the Manipur Legislative Assembly over the years to bring about a positive change in the standard of living of the common people.

Noting that the Manipur Legislative Assembly has a mix of young and experienced MLAs, he advised that first-time elected MLAs should take advantage of knowledge of the experienced and senior MLAs of the House. They should try to understand from them the nuances of rule-law making. He said that the MLAs should study these rules and procedures, study the Constitution, which will enable them to perform their work as an outstanding legislator.

19 members of Manipur Legislative Assembly are participating in this orientation programme.

**नई दिल्ली, 6 जून 2022 :** मणिपुर विधान सभा के सदस्यों के लिए PRIDE, लोक सभा सचिवालय द्वारा संसद भवन में आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने विचार व्यक्त किया कि सदन में जनप्रतिनिधियों का आचरण सिर्फ सदन तक सीमित नहीं रहता , बल्कि उसका प्रभाव कई स्तरों पर पड़ता है। जनता में भी सीधा संदेश जाता है। उन्होंने चेताया कि जनता को यह भरोसा होता है कि उनके जनप्रतिनिधि सदन का सर्वश्रेष्ठ उपयोग कर रहे हैं और इसलिए सदन में अनुशासन और मर्यादा जनप्रतिनिधियों के व्यवहार का अनिवार्य अंग होना चाहिए।

इस अवसर पर श्री बिरला ने लोक सभा सचिवालय के PRIDE द्वारा प्रकाशित "PRIDE: Congruency, Cohesion & Continuity", नामक कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री बी एल वर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

उन्होंने जोर देकर कहा कि जब सभी स्टैक होल्डर्स की सहमति से कानून का निर्माण होता है , तभी लोकतंत्र अधिक स्वस्थ एवं पुष्ट होता है। इस विषय में उन्होंने परामर्श दिया कि सदन में जब कोई प्रस्ताव लाया जाए , तो जनप्रतिनिधि अपने-अपने स्तर पर अपने क्षेत्रवासियों से उस पर संवाद करें और क्षेत्र के लोगों से उस बिल के ड्राफ्ट या प्रस्ताव पर राय जानें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह से बेहतर कानून का निर्माण होगा।

श्री बिरला ने आगे सुझाव दिया कि हमारी विधायिकाएं बदलती दुनिया के अनुरूप अपने आपको अपडेट करें। इस विषय में उन्होंने कहा कि जनता को विधायिका से जोड़ने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी बहुत कारगर हो सकती है। यह बताते हुए कि 'एक देश-एक विधायी प्लेटफॉर्म' अर्थात् E-Vidhan के तहत पूरे देश के विधान मंडलों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जाना है, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह एक ऐसा पोर्टल होगा, जो न केवल हमारी संसदीय प्रणाली को तकनीकी रूप से विकसित करेगा, बल्कि देश की सभी लोकतांत्रिक इकाइयों को परस्पर जोड़ने का कार्य भी करेगा।

श्री बिरला ने आगे कहा कि पूर्वोत्तर भारत के लिए ना तो हम विकास से समझौता कर सकते हैं और ना ही यहाँ की अद्भुत संस्कृति से। हमें विकास और संस्कृति दोनों को साथ साथ लेकर चलना होगा और संस्कृति के माध्यम से विकास के पथ पर आगे बढ़ना होगा।

मणिपुर विधान सभा की समृद्ध विरासत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बीते 50 वर्षों में इसने अपनी रीति और आचरण से देश की विधायी परंपरा को मजबूत और समृद्ध बनाने में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि अनेक जनहितकारी फैसलों और साझा सहमतियों से आम जनता के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने का काम इन वर्षों में मणिपुर विधान सभा द्वारा किए गए हैं।

यह जिक्र करते हुए कि मणिपुर विधान सभा में युवा और अनुभवी विधायकों का मिश्रण है, उन्होंने सलाह दी कि पहली बार निर्वाचित हुए विधायकों को चाहिए कि वे सदन के अनुभवी और वरिष्ठ विधायकों से उनके अनुभव का लाभ लें। नियम-कानून निर्माण की बारीकियाँ उनसे समझें। उन्होंने कहा कि विधायक इन नियम प्रक्रियाओं का अध्ययन करें, संविधान का अध्ययन करें, इससे वे एक उत्कृष्ट विधायक के रूप में अपना कार्य कर पाएंगे।

इस ओरिएंटेशन प्रोग्राम में मणिपुर विधान सभा के 19 सदस्य भाग ले रहे हैं।